NCERT Solutions For Class 12 Hindi Aroh (Prose)

CH 12 – काले मेघा पानी दे

1.लोगों ने लड़कों की टोली को मेंढक - मंडली नाम किस आधार पर दिया ? यह टोली अपने आपको इंद्र सेना कहकर क्यों बुलाती थी?

उत्तर: गाँव के कुछ लोग किशोर लड़कों के नग्न शरीर, उछल - कूद, शोर और उनकी वजह से होने वाले सड़क के कीचड़ से चिड़ते थे। गाँव के लोग इन सभी बातों को अन्धविश्वास मानते थे इसीलिए उन्होंने इस समूह को मेंढक - मंडली नाम दे दिया था। परंतु यह समूह अपने आप को इंद्र सेना कहता था। ये सभी बच्चें भगवान इंद्र से वर्षा करने की विनती के इक्कट्ठा होते थे। बच्चों का मानना था कि वे इंद्र की सेना के सैनिक थे और वे मिट्टी से पानी माँगते है । इसलिए उन्हें लगता था कि इंद्र सारा पानी उन्हें देंगे।

2.जीजी ने इंद्र सेना पर पानी फैंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

उत्तर: जीजी ने इंद्र सेना पर पानी फेंके जाने के निम्नलिखित तर्क दिए:

(क) जीजी ने कहा की कुछ पाने के लिए पहले कुछ चढ़ावा देना पड़ता है। उन्होंने कहा इंद्र देव को पानी का अर्ध्य चढ़ाने से जब वे प्रसन्न होंगे तभी वे वर्षा के माध्यम से पानी देंगे।

(ख) केवल उसी दान का फल प्राप्त होता है जो त्याग भावना से दिया गया हो। जिस वस्तु की सबसे ज़्यादा आवश्यकता होती है उसी को दान में देने से फल की प्राप्ति होती है।

(ग) जिस प्रकार किसान फ़सल उगाने के लिए धरती में सबसे अच्छे बीजों का दान देकर बुआई करता है उसी प्रकार पानी वाले बादलों से पानी पाने के लिए इंद्र सेना पर पानी डालकर पानी की बुआई की जाती है।

3.पानी दे, गुड़धानी दे मेघों से पानी के साथ - साथ गुड़धानी की माँग क्यों की जा रही है?

उत्तर: गुड़धानी एक खाद्य पदार्थ है। जिसको गुड और अनाज के मिश्रण से बनाया जाता है। गली के बच्चें बादलों के साथ-साथ गुड़धानी से भी पानी माँगते हैं। यहाँ 'गुड़धानी' का मतलब गन्ना और अनाज है। पानी प्यास बुझाता है व अच्छी बारिश से ईख और धान पैदा होता है। गाँव की अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित होती है, जो वर्षा पर निर्भर है। जब अच्छी बारिश होगी तभी अच्छी फ़सल होगी और फिर लोग झूमेंगे इसलिए बच्चें पानी के साथ साथ गुड़धानी भी माँग रहे है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4.गगरी फूटी बैल पियासा इंदर सेना के इस खेलगीत में बैलों के प्यासा रहने की बात क्यों मुखरित हुई है?

उत्तर: 'गगरी फूटी बैल पियासा' इंद्र सेना के खेलगीत में ख़ासकर इस पंक्ति में बैल को प्रमुखता दी गयी है। बैल हमारी कृषि संस्कृति का प्रमुख हिस्सा है। बैल भारतीय कृषि प्रणाली और संस्कृति की रीड़ हैं। बैल खेतों की जुताई कर के उपज को फलदायी बनाता है। यदि वे प्यासे रहेंगे तो कृषि नहीं हो सकती।

5.इंद्र सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है? नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व है?

उत्तर: भारतीय समाज में गंगा को माँ की तरह पूजा जाता है। भारत के इतिहास में गंगा का धार्मिक, पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व है। गंगा के अंदर पानी नहीं अमृत जल बहता है और गंगा ने तो ना जाने कितनी सभ्यताओं और संस्कृतियो को अपने आगे गिरते और उभरते देखा है। सभी जलों में गंगा के जल को सपसे पवित्र व सर्वोतम माना जाता है। इसीलिए इंद्र सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय बोलती है।

6.रिश्तों में हमारी भावना-शक्ति का बँट जाना विश्वासों के जंगल में सत्य की राह खोजती हमारी बुद्धि की शक्ति को कमज़ोर करती है।पाठ में जीजी के प्रति लेखक की भावना के संदर्भ में इस कथन के औचित्य की समीक्षा कीजिए।

उत्तर: जीवन की कई सच्चाइयाँ आत्मा में छिपी है। यह जीजी और लेखक के बीच संबंधो का सबसे महत्वपूर्ण पहलू था। इस ग्रंथ के अनुसार, लेखक धर्मवीर भारती से बहुत प्यार करता है और वह कई धार्मिक कृतियों का आयोजन करता है, जिन्हें लेखक अंधविश्वास मानते है। लेखक उन तर्कों में कटौती नहीं करता है। यह कथन बिलकुल सत्य है कि रिश्ते में हमारी इन्द्रिय शक्ति विभाजित हो जाती है और इस तरह से बुद्धि की शक्ति कमज़ोर हो जाती है।बुद्धि तर्क माँगती है,लेकिन भावना में तर्क का कोई स्थान नहीं होता पर विश्वास प्रमुख है।

7.क्या इंद्र सेना आज के युवा वर्ग का प्रेरणाश्रोत हो सकती है? क्या आपके स्मृति कोश में ऐसा कोई अनुभव है जब यूवाओ ने संगठित होकर समाजोपयोगी रचनात्मक कार्य किया हो उल्लेख करें।

उत्तर: सेना सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करती है क्योंकि यह सामूहिक प्रयास है जो किसी भी समस्या को हल करने की क्षमता रखता है। अंदर की सेना निसंदेह आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का श्रोत हो सकती है। स्वतंत्रता संग्राम,जे पी आंदोलन, बड़े आंदोलनो में सभी युवाओं की सामूहिक शक्ति के बल पर ही सफल हुए हैं। आज भी अगर युवाओं का निर्माण एक ऐसी "सेना के अंदर" के साथ होता है यदि युवा ठीक से काम करे तो अशिक्षा, आतंकवाद, महिला अत्याचार जैसी समयाओं को जल्द ही समाप्त किया जा सकता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

8.तकनीकी विकास के दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है। कृषि समाज में चैत्र, वैशाख सभी माह बहुत महत्वपूर्ण है पर आषाढ़ का चढ़ना उनमें उल्लास क्यों भर देता है?

उत्तर: भारत की अर्थव्यवस्था हमेशा कृषि पर निर्भर रही है और आगे भी रहेगी क्योंकि तकनीकी विकास के बावजूद हम कृषि से मज़बूत हैं, तो इसे कैसे भूल सकते हैं? हाँ, ये अलग बात है की अगर उन तकनिकों में कृषि का प्रयोग जाए तो, भारत अनाज की दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक रहेगा।

कृषि प्रधान समाज में सभी महीने महत्वपूर्ण हैं लेकिन आषाढ़ की चढाई उन्हें भर देती है क्योंकि इस महीने को वर्षा ऋतु का प्रतीक माना जाता है। यह महीना किसानो को अच्छी फ़सल की उम्मीद देता है। इस महीने में अधिकतम वर्षा भी होती है। अच्छी बारिश ही अच्छी फ़सल दे सकती है। यही कारण है की जैसे ही आषाढ़ की शुरुआत होती है किसानो में बारिश, अच्छी फ़सल की उम्मीद जग जाती है।

9.पाठ के संदर्भ में इसी पुस्तक में दी गयी निराला की कविता बदल राग पर विचार कीजिए और बताइए की आपके जीवन में बादलों की क्या भूमिका है?

उत्तर: कवि निराला की कविता "बादल-राग" क्रांति के प्रतीक के रूप में बादलों को दर्शाती है। बादल शोषकों द्वारा शोषित वर्गों को मुक्त करते हैं और उन्हें उनका अधिकार देते हैं। उसी तरह बादल हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बादल भी एक नयी क्रांति की तरह आते हैं। पृथ्वी की प्यास बुझाते हैं व पृथ्वी पर नए निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रकृति और मानव दोनो ही बादलों पर निर्भर हैं।

10.त्याग तो वह होता..... उसी का फल मिलता है। अपने जीवन के किसी प्रसंग से इस सूक्ति की सार्थकता समझाइए।

उत्तर: त्याग का भाव सर्वोपरि होता है। त्याग कहता है कि दुसरो कि भलाई के लिए अपना स्वार्थ छोड़कर किसी और कि मदद करो। हमारे पड़ोस में रह रहे शर्मा दामपत्य इस चीज का बेमिसाल उदाहरण है। मिस्टर शर्मा एक रिटायर्ड जनरल हैं। वो अपने रिटायरमेंट के पैसो से आराम से जिंदगी व्यतीत कर सकते हैं। परन्तु उन्होंने उस पैसों से भूखे गरीबो का मदद करने कि सोची और अभी वह अपने बीवी के साथ मिलकर रोज़ाना गरीबो व अनाथों को भोजन करवाते हैं।

11.पानी का संकट वर्तमान स्थिति में भी बहुत गहराया हुआ है। इसी तरह के पर्यावरण से संबद्ध अन्य संकटों के बारे में लिखिए।

उत्तर: पर्यावरण से संबंधित अन्य संकट निम्नलिखित हैं –

- उद्योगों और वाहनों के कारण वायु प्रदूषण।
- भूमि का बंजर होना।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

- वर्षा की कमी।
- सूखा पड़ना।
- बाढ़ आना।
- धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी।

12.आपकी दादी-नानी किस तरह के विश्वासों की बात करती हैं? ऐसी स्थिति में उनके प्रति आपका रवैया क्या होता है? लिखिए।

उत्तर: हमारी दादी-नानी भी उसी प्रकार की बातें करती हैं जैसे लेखक की जीजी। वे कई अंधविश्वासों को सच मानती हैं, जैसे कि पेड़ पर भूत बसते हैं, दोपहर में मीठा खाकर बाहर नहीं जाना चाहिए, और छींकने पर शुभ कार्य में नहीं जाना चाहिए। दादी यह भी कहती हैं कि यदि बिल्ली रास्ता काट जाए तो काम बिगड़ जाता है और चिमटा बजाने से घर में लड़ाई हो जाती है। मैं इन सब विश्वासों को सुनकर अनसुना कर देती हूँ/देता हूँ।

चर्चा करें

प्रश्न 1. बादलों से संबंधित अपने-अपने क्षेत्र में प्रचलित गीतों का संकलन करें और कक्षा में चर्चा करें।

उत्तर:

“गरज बरस प्यासी धरती को फिर पानी दे मौला फिर पानी दे मौला गुड़धानी दे मौला।” आलो रे आलो रे सामण महीनो आलो रे बिजली चमकै	बादल बरसै आलो री सामण आलो। ‘सामण का महीना, ठाडढ़ा झड़ लाया, हे, सलोभण अपनी गेल्यां बीरा ने लाया है ...। जल कै मरुंगी तरणी तीज नै, तेरे पै ही तै बाल्लम नै घाल।”

प्रश्न 2. पिछले 15-20 सालों में पर्यावरण से छेड़छाड़ के कारण भी प्रकृति-चक्र में बदलाव आया है, जिसका परिणाम मौसम का असंतुलन है। वर्तमान बाड़मेर (राजस्थान) में आई बाढ़, मुंबई की बाढ़ तथा महाराष्ट्र का भूकंप या फिर सुनामी भी इसी का नतीजा है। इस प्रकार की घटनाओं से जुड़ी सूचनाओं, चित्रों का संकलन कीजिए और एक प्रदर्शनी का आयोजन कीजिए, जिसमें बाजार दर्शन पाठ में बनाए गए विज्ञापनों को भी शामिल कर सकते हैं। अगर हाँ ऐसी स्थितियों से बचाव के उपाय पर पर्यावरण की राय को प्रदर्शनी में मुख्य स्थान देना न भूलें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

हमारे विद्यालय में हाल ही में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें पर्यावरण विशेषज्ञ भागीदार बने। उन्होंने पर्यावरण असंतुलन को रोकने के कई उपाय सुझाए, जैसे:

- पानी का रिसाव रोकना।
- देश की नदियों को जोड़ना।
- पेड़ों की अंधाधुंध कटाई को रोकना।
- बरसाती पानी को इकट्ठा करना।
- ऐसी योजनाओं को लागू करना जो वास्तविकता में संभव हों।
- खतरनाक गैसों को रोकने के उपाय करना।
- फैक्ट्रियों से निकलने वाले दूषित जल की उचित निकासी का प्रबंध करना।
- निर्धारित मात्रा से अधिक खतरनाक रसायनों का उपयोग नहीं करना।
- मिल मालिकों को पर्यावरण संकट के प्रति सचेत रहना चाहिए।
- गिरते भूजल स्तर को रोकना।

विज्ञापन की दुनिया

प्रश्न 1. 'पानी बचाओ' विज्ञापनों को एकत्र कीजिए। इस संकट के प्रति चेतावनी बरतने के लिए आप किस प्रकार का विज्ञापन बनाएंगे।

उत्तर: पानी संकट आज का सबसे बड़ा संकट है, जिसे हर हाल में दूर करने की आवश्यकता है। संकट से बचने के लिए विज्ञापन इस प्रकार होगा:

"पानी बचाओ, पानी बचाओगे तो अपना जीवन बचा पाओगे। यदि पानी नहीं रहा, तो कहाँ जाओगे? पानी की हर बूंद कीमती है। इसे बचाओ।

'पानी है तो जीवन है,
वरना जीना कठिन है।'

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in